फैक्चर एवं अत्यधिक रक्त स्त्राव से हुई तेन्दुए शावक की मृत्यु - स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फारेंन्सिक एण्ड हैल्थ

कल दिनांक 08.07.2021 को रात्रि लगभग 11:00 से 12:00 के बीच में वन विभाग के अधिकारियों द्वारा सूचित किया गया कि तेन्दुए का एक लगभग 12 से 14 महीने का शावक सड़क के किनारे झाड़ियों में मृत अवस्था मे पड़ा हुआ है। प्रथम दृष्टया शावक किसी दुर्घटना का शिकार हुआ है, ऐसा अनुमानित किया गया। मृत तेन्दुए को तत्काल नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फारेंसिक एण्ड हैल्थ, जबलपुर में लगभग रात्रि 12:30 बजे लाया गया। डॉ.अमोल रोकड़े ने इसका प्राथमिक परीक्षण किया तथा शव परीक्षण हेतु इसे मर्चुरी फ्रीजर मे रखवाया। प्रातः दिनांक 09 जुलाई 2021 को इस दुर्धटना की सूचना नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति महोदय माननीय डॉ.एस.पी.तिवारी जी, डीन एवं प्रभारी संचालक डॉ.आर.के.शर्मा, तथा डॉ.आदित्य मिश्रा को दी गई। कुलपति महोदय डॉ.एस.पी.तिवारी जी ने स्वयं उपस्थित होकर घटना को प्राथमिकता देते हुए तकनीकी सुझाव प्रदान किया एवं पोस्टमार्टम के लिये उच्च स्तरीय फारेंन्सिक तथा वन्यजीव स्वास्थ्य विशेषज्ञों की टीम गठित कर शीघ्र-अतिशीघ्र शव परीक्षण द्वारा मौत के कारणों का पता लगाने एवं वन विभाग को जाँच रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु आदेशित किया।

शव परीक्षण के लिए वाइल्डलाइफ पोटेक्षन एक्ट, 1972 शेड्यूल एक का वन्यजीव होने के कारण मृत तेन्दुए का पोस्टमार्डम एन.टी.सी.ए. की गाईडलाइन के अनुसार पोस्टमार्टम टीम गठित की गयी, जिसमें डॉ. सोमेश सिंह, डॉ.के.पी.सिह, डॉ.निधि राजपूत, डॉ.अमोल रोकड़े एवं पेथौलॉजी विभाग की डॉ.अमिता दुबे को शामिल किया गया। वन विभाग की तरफ से जबलपुर की वनमण्डलाधिकारी श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की तथा अशासकीय संस्था की ओर से श्री मनीष कुलश्रेष्ठ उपस्थित रहे। पोस्टमार्टम के दौरान तेन्दुए के पिछले बाएँ पैर की फीमर हड्डी एवं छाती की पसलिया टूटी मिली, साथ ही हेड एन्जुरी पाई गई एवं अत्यधिक रक्त स्त्राव हुआ, जो शावक की मौत का कारण बना। डाक्टरो के द्वारा गहन परीक्षण उपरांत विभिन्न प्रकार के प्रयोगशाला संबधी जैविक नमूनो को संकलित किया गया जिसका विस्तृत परीक्षण किया जा रहा है, ताकि शावक की मृत्यु के कारणों का विस्तृत विश्लेषण किया जा सके।

इस प्रकार की दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने एवं बहुमूल्य वन्य जीवों की जीवन रक्षा हेतु माननीय कुलपति डॉ.एस.पी.तिवारी जी, वनमण्डलाधिकारी श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की एवं अन्य अधिकारियों की विस्तृत चर्चा हुई।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर